Lecture-1

Topic-Discuss about Political Theory

B.A degree-I(Sub.)

07-01-2022 By RKJ

राजनीतिक सिद्धांत के अर्थ की विवेचना :-

राजनीति विज्ञान मानव जीवन के विभिन्न आयामों की व्याख्या करने वाले सामाजिक विज्ञानों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय है। राजनीतिक सिद्धांत राजनीति विज्ञान के अंतर्गत सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय है। जिसका संबंध मानवीय चेतना से है। मानव में जैसे-जैसे चेतना की अभिवृद्धि होती गई, और ठीक उसी तरह सिद्धांतों के प्रतिपादन का सिलसिला भी जारी रहा। राजनीतिक विचारकों ने हर युग में मानवीय कार्यकलापों एवं आवश्यकताओं के प्रति एक दृष्टिकोण रखा। मानव जीवन के राजनीतिक पक्ष से संबंधित विचारकों के दृष्टिकोण को ही राजनीतिक सिद्धांत का नाम दिया गया।

सामान्यतः राजनीतिक चिन्तन, राजनीतिक विचार-धारा, राजनीतिक सिद्धांत, राजनीतिक विश्लेषण और

राजनीति विज्ञान को पर्यायवाची समझने की भूल की जाती है, जबकि ये सब पर्यायवाची नहीं हैं। राज्य की उत्पत्ति, विकास, प्रकृति या स्वरूप से संबंधित आदर्शात्मक, ऐतिहासिक, तार्किक, काल्पनिक, मूल्य सापेक्ष, व्यक्तिपरक वर्णन या विवेचन को राजनीतिक चिन्तन कहा जाता है। जबकि राजनीतिक सिद्धांत राज्य के व्यावहारिक क्रियाकलाप और राज्य मानव संबंध का विषय है। राजनीतिक चिन्तन का दायरा राजनीतिक सिद्धांत की तुलना में कम है। राजनीतिक चिंतन में आध्यात्मिक व दार्शनिक मूल्यों के समावेश के कारण इसके स्वरूप में अस्पष्टता व अव्यवस्था दिखाई देने लगती है जबकि राजनीतिक सिद्धांत में ऐसा नहीं होता है।

इसी तरह राजनीतिक विचारधारा एक मनोवैज्ञानिक अवधारणा है जो व्यक्ति, समाज, राज्य, धर्म, नैतिकता या अन्य विषयों के प्रति खास दृष्टिकोण रखता है। उदाहरण के लिए मार्क्सवाद और उदारवाद विचारधाराएँ। राजनीतिक सिद्धांत में वैसे ही राजनीतिक विचारधारा का स्थान है, जो महत्वपूर्ण हो तथा राजनीतिक व्यवस्था के संबंध में सही आधार रखता हो।

continues.....